न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

शलोम!

हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो।

हमारे आध्यात्मिक जीवन में पहले से सीखी गई बातों या सिखाई गई चीजों को याद करना कभी गलत नहीं होता। वास्तव में, पिछले उपदेशों को याद करना और उस पर ध्यान देना हमारे आध्यात्मिक विकास और दृढ़ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

“पुनः चबाने वाले” जानवरों का प्रतीक

पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएलियों से कहा कि वे ऐसे जानवर न खाएँ जो “पुनः चबाते” न हों (लेविएवीकस 11:3–8)। यह केवल आहार नियम नहीं था – इसका आध्यात्मिक महत्व भी था।

“पुनः चबाना” मतलब है कि जानवर पहले भोजन निगलता है, उसे संग्रहीत करता है, और बाद में उसे फिर से ऊपर लाकर अच्छी तरह चबाता है। यह धीमा और ध्यानपूर्ण प्रक्रिया इस बात का प्रतीक है कि विश्वासी भी परमेश्वर के वचन पर लगातार विचार करें – केवल एक बार सुनकर भूलना नहीं, बल्कि बार-बार उस पर मनन करना।

सूअर जैसे जानवर पुनः चबाते नहीं हैं और इसलिए अशुद्ध माने

न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

जाते थे (लेविएवीकस 11:7)। यह आध्यात्मिक सिद्धांत की ओर इशारा करता है: जो लोग परमेश्वर के वचन या उनके किए गए कार्यों के बारे में सोचने का समय नहीं निकालते, वे आध्यात्मिक रूप से लापरवाह हो सकते हैं। वे आध्यात्मिक सत्य को एक बार ग्रहण कर आगे बढ़ जाते हैं, बिना उसे फिर से देखे – इससे भूलने, अकृतज्ञता और आध्यात्मिक अशुद्धि उत्पन्न होती है।

ध्यान हमें आध्यात्मिक पराजय से बचाता है

जब हम नियमित रूप से उस पर विचार करते हैं जो परमेश्वर ने हमें सिखाया है, हम अपने आप को शत्रु के विरोध के लिए तैयार करते हैं। हम आध्यात्मिक रूप से शुद्ध और परिपक्व होते हैं और परमेश्वर की सच्चाई में अडिग रहते हैं।

जैसा कि दाऊद ने लिखा:

मैंने तेरा वचन अपने हृदय में रखा, ताकि मैं तुझसे पाप न
करूँ।

भजन संहिता 119:11

न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

न्याय के दिन को याद करना

अब हम न्याय के दिन पर विचार करें – एक ऐसी वास्तविकता जो इस जीवन के बाद हर मनुष्य की प्रतीक्षा कर रही है।

ईश्वर के पुत्र यीशु मसीह यहूदी और गैर-यहूदी दोनों के सामने न्याय के लिए खड़े हुए – यह दर्शाता है कि पूरी दुनिया, इस्राएल और अन्य राष्ट्र, उनके न्याय में शामिल थे। यह पाप की सार्वभौमिक प्रकृति को दिखाता है: हम सभी दोषी हैं और सभी को उद्धार की आवश्यकता है।

सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से वंचित हैं।

रोमियों 3:23

जैसे यीशु पिलातुस के न्यायपीठ के सामने खड़े हुए:

जब पिलातुस ने यह सुना, तो उसने यीशु को बाहर लाकर न्यायपीठ पर बैठ गया, जिसे पत्थर की पट्टी कहा जाता है (अरामी में गब्बथा)।

न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यूहन्ना 19:13

हम भी एक दिन परमेश्वर के न्यायपीठ के सामने खड़े होंगे।

महान श्वेत सिंहासन का न्याय

और मैं ने एक बड़ा श्वेत सिंहासन देखा और उस पर बैठे हुए को देखा। पृथ्वी और आकाश उसके सामनें से भाग गए, और उनके लिए
कोई स्थान नहीं मिला।

और मैंने मृतकों को, बड़े और छोटे, सिंहासन के सामने खड़े देखा, और किताबें खोली गईं… मृतकों का न्याय उनकी की गई कामों के अनुसार किया गया, जैसा कि किताबों में लिखा था।

प्रकाशितवाक्य 20:11–12

इस क्षण से कोई भी बच नहीं पाएगा। हर कोई अपने जीवन का हिसाब देगा।

न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

क्योंकि परमेश्वर प्रत्येक कर्म को न्याय के लिए लाएगा, चाहे वह छिपा हुआ हो, अच्छा हो या बुरा।

सभोपदेशक 12:14

एक बार मरना और फिर न्याय

मृत्यु के बाद कोई दूसरा मौका नहीं है।

और जैसा मनुष्य के लिए एक बार मरना निश्चित है, उसके बाद
न्याय आता है।

इब्रानियों 9:27

मृतकों के लिए प्रार्थना, पर्जात या आध्यात्मिक हस्तांतरण की आशा का कोई बाइबिलीय आधार नहीं है। बाइबल स्पष्ट रूप से सिखाती है कि हमारी शाश्वत नियति मृत्यु के समय तय हो जाती है।

चाहे पेड़ दक्षिण की ओर गिरे या उत्तर की ओर, जहां वह गिरता

न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

है, वहीं वह पड़ेगा।

सभोपदेशक 11:3

यदि कोई पाप में मरता है, तो उसका भाग्य तय हो गया है। हमें देर होने तक प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए।

पुरस्कार और जिम्मेदारी

यीशु ने एक दासों के मालिक के बारे में दृष्टांत सुनाया, जो लौटकर उनके साथ हिसाब-किताब करने आया:

बहुत समय बाद, उन दासों के मालिक ने लौटकर उनके साथ हिसाब किया।

मत्ती 25:19

हर दास को यह बताना था कि उन्होंने जिस चीज़ को सौंपा गया था, उसका उपयोग कैसे किया – ठीक वैसे ही जैसे हमें करना चाहिए।

न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

कुछ को पुरस्कार मिला:

अच्छा और विश्वासी दास! तुम थोड़े पर विश्वासयोग्य रहे, मैं तुम्हें अधिक की जिम्मेदारी दूंगा। आओ और अपने स्वामी की
खुशी में भाग लो।

मत्ती 25:21, 23

लेकिन एक को नाश करने के लिए निंदा की गई, क्योंकि उसने जो प्राप्त किया था, उसका कोई उपयोग नहीं किया:

उस निष्ठुर दास को बाहर फेंक दो, अंधकार में, वहां विलाप और दांत पीसने होंगे।

मत्ती 25:30

हमें उद्देश्यपूर्ण जीवन जीना चाहिए, अपने समय, प्रतिभा और अवसरों को परमेश्वर की महिमा के लिए उपयोग करना चाहिए।

न्याय के दिन पर चिंतन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

क्या आप विश्वास में खड़े हैं?

अपने आप से पूछें:

क्या आप आज विश्वास में खड़े हैं?

यदि मसीह इस क्षण लौट आएं, क्या आप उनके साथ जाने के लिए तैयार होंगे?

प्रभु हमें – और हम सभी को – तैयार, विनम्र और पवित्र जीवन जीने में मदद करें, जैसे हम अपने प्रभु और न्याय के दिन के आगमन की प्रतीक्षा करते हैं।

समापन प्रार्थना

हे प्रभु, हमें हमारे दिनों की गिनती करना सिखाओ, ताकि हम बुद्धिमत्ता का हृदय प्राप्त कर सकें (भजन संहिता 90:12)। हमें आज्ञाकारिता, विश्वास और पवित्रता में चलने की शक्ति दो, ताकि हम न्याय के दिन शर्मिंदा न हों।

यीशु के नाम में। आमीन।

न्याय के दिन पर चिंतन

आशीर्वादित रहें।

Share on:
WhatsApp

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9